Page No.:
Date: / /

Dr. Keerti Kumar
Asstt Prof (Guest)
Deptt of Psychology,
S. R. A. P. College, Barachakta.
(A Constituent unit of B. R. A. Bihar University Muzaffarpur)

Subject - Psychology
Topic Forgetting.
Class B. A. Part I
Period 3rd
Date - 08/02/2023
Day Wednesday.

Contact No — 9801466117/6202215708

Topic - Causes of Forgetting :-

विस्मरण या भूलने का कारण :-

विस्मरण स्मरण की विपरित प्रक्रिया है। स्पष्ट है कि जिन कारणों से सीखा गया विषय हम भूल जाते हैं उसे ही हम विस्मरण की प्रक्रिया कहते हैं। हम जानते हैं कि स्मरण के अन्तर्गत सीखना धारणा तथा धारण करने की जाँच ये तीन प्रमुख अंग हैं। स्मरण की प्रक्रिया इन्हीं तीन अंगों पर निर्भर करती है। और जो बातें इन तीन प्रमुख अंगों को कमजोर करती हैं वे ही भूलने के प्रमुख कारण हैं। अतः भूलने के कारणों की व्याख्या हम इस प्रकार करेंगे।

सीखने को प्रभावित करने वाले कारक
factor influencing learning.

धारण को प्रभावित करने वाले कारक
Factor influencing retention.

(iii) धारणा की जाँच को प्रभावित करने वाले कारक
factor influencing test of Retention -

1. सीखने को प्रभावित करने वाले कारक :-
— किसी भी विषय को सीखते समय कई बातों का प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण हमें सीखने में समय लगता है अर्थात् सीखे गये विषय को अति शीघ्र भूल भी जाते हैं। वैसे कुछ कारक हैं जिनके कारण हमें भूलते हैं। - जैसे

1. विषय का स्वरूप
2. विषय का भावात्मक मूल्य
3. विषय की लम्बाई
4. सीखने की मात्रा
5. सीखने की विधि
6. सीखने में रुचि की कमी :-

(1) विषय का स्वरूप : Nature of Material :
सीखना या याद करना, सीखने वाले विषय के स्वरूप पर भी बहुत अंशों में निर्भर करता है। प्रयोगों के द्वारा यह प्रमाणित हो चुका है कि निरर्थक (Meaningless) विषय सार्थक (Meaningful) विषय की अपेक्षा जल्दी शीघ्र भूल जाते हैं। निरर्थक विषयों का सहचर्य हम दैनिक जीवन के अनुभवों के साथ स्थापित नहीं कर पाते हैं। अतः इनसे बने स्मृति चिन्ह अधिक समय तक मस्तिष्क में अनुजीवित नहीं रह पाता है। —